Prabhat Khabar (Date: - 30/07/2019)

पहल • पीने के पानी का उपयोग भैंस धोने व खेत पटाने में नहीं करें लोग, जनप्रतिनिधि करें मॉनीटरिंग

अब पानी बचाने के लिए लगेगा जल चौपाल

संवाददाता ▷ पटना

पानी बचाने के लिए राज्य के सभी गांवों में जल चौपाल लगाया जायेगा. प्रतिमाह आयोजित जल चौपाल में पीएचइडी के इंजीनियर भी मौजूद रहेंगे. ग्रामीणों को वर्षा जल को बचाने तथा पानी का दुरुपयोग नहीं करें, इसकी जानकारी दी जायेगी. सोमवार को अधिवेशन भवन में पीएचइडी द्वारा आयोजित राज्य स्तर की कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मंत्री विनोद नारायण झा ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि हर घर नल का जल योजना के तहत कई वार्डों में पानी घरों में पहुंचने लगा है, लेकिन उस पानी का उपयोग लोग गाय, भैंस धोने और खेत पटाने में करते हैं, जो गलत है. क्योंकि, इस योजना को पूरा करने में सरकार का बहुत पैसा लगा है. नीर निर्मल परियोजना 166 ग्राम पंचायतों में चल रही है, जो वर्ल्ड बैंक के वित्तीय अंशदान से मार्च 2020 तक पूरा होगा. बिहार सरकार की हर घर नल का जल को भी 2020 में पूरा करने का लक्ष्य है. कार्यशाला में पीएचइडी के सचिव जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि नीर निर्मल परियोजना का काम तेजी से चल रहा है और यह निश्चित समय पर पूरा कर लिया जायेगा. काम की मॉनीटरिंग के लिए एक सोशल ऑडिट भी किया जायेगा, ताकि कमियां दूर हो सके.

जल, जीवन व हरियाली अब हमारी जिम्मेदारी

कार्यक्रम को संबोधित करते पीएचइडी मंत्री विनोद नारायण झा.

मंत्री ने कहा कि हम आने वाली पीढ़ी को क्या देंगे, जब हम अभी ही हमलोग ग्लोबल वार्मिंग से गुजर रहे है. गर्मी में ठंड और बारिश में गर्मी हो रही है. कहीं उल्का पिंड आ रहा है, तो कहीं सुखाड़ हो रहा है. इसलिए जल, जीवन व हरियाली के प्रति हमें सतर्क होना होगा और इसमें सबसे पहले जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों की है कि वह किस तरह से लोगों को आने वाले जल संकट से रू-ब-रू करा सके.

नल जल पर शुल्क लगाने पर चल रहा है विचार

मंत्री ने कहा कि हर घर नल जल योजना के तहत पहुंचने वाले शुद्ध जल पर कुछ शुल्क लगाने पर विचार किया जायेगा. योजना के तहत प्रति परिवार 30 रुपये लिये जा सकते हैं. इसे लागू करने के पूर्व बिहार से एक टीम पंजाब भी गयी थी. टीम ने यह भी देखा है कि अगर कोई व्यक्ति अधिक खपत करता है, तो उसका शुल्क कुछ बढ़ाया जा सकता है या नहीं.